

प्रेषक,

एन०एस०नपलच्चाल,
प्रमुख सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवामें,

प्रमुख सचिव,
शिक्षा विभाग,
उत्तरांचल शासन।

राजारव विभाग

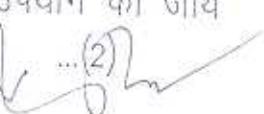
देहरादून: दिनांक: २३ जनवरी, 2006

विषय:-दून विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु जनपद देहरादून में ग्राम केदारपुर की 2.701 है० अतिरिक्त भूमि निःशुल्क हस्तान्तरण किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक जिलाधिकारी के पत्र संख्या-156/12ए-94(2002-05) दिनांक 6-10-2005 एवं शासनादेश संख्या-470/18(1)/2005 दिनांक 16 जुलाई, 2005 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-260/विओअनु०-३/2002 दिनांक 15-२-२००२ में की गई व्यवस्थानुसार अधिसूचना संख्या-79(2)/18(1)/2005 दिनांक 6 जनवरी, 2006 के गाध्यम से राज्य सरकार द्वारा नगर निगम देहरादून से पुनर्ग्रहीत जनपद देहरादून की तहसील देहरादून के ग्राम केदारपुर की खसरा नं०-355ग रकबा 1.821० है०, खसरा नं०-397क रकबा 0.680० है०, खसरा नं०-397ख रकबा 0.200० है० अर्थात् कुल रकबा 2.701 है० भूमि दून विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु उच्च शिक्षा विभाग को निम्नलिखित शर्तों के अधीन निःशुल्क आवंटित किये जाने की रवीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- गूमि पर कोई धार्मिक अथवा ऐतिहासिक महत्व की इमारत न हो।
- 2- जिस परियोजना के लिए गूमि हस्तान्तरित की जा रही है वह एक अनुमोदित परियोजना हो और उसके लिए शासन से सहमति प्राप्त हो चुकी हो।
- 3- हस्तान्तरित भूमि यदि प्रस्तावित कार्य से मिल प्रयोजन के लिए उपयोग की जाये तो उसके लिए मूल विभाग से पुनः अनुमोदन प्राप्त करना होगा।



- 4— यदि भूमि की आवश्यकता न हो या 3 वर्षों तक हरतान्तरित भूमि प्रस्तावित कार्य के लिए उपयोग में नहीं लाई जाती है तो उसे मूल विभाग को वापस करना होगा।
- 5— जिस प्रयोजन हेतु भूमि हरतान्तरित की गई है उससे भिन्न किसी अन्य प्रयोजन हेतु किसी अन्य व्यक्ति, संस्था, समिति अथवा विभाग आदि को मूल विभाग की सहगति के बिना भूमि हरतान्तरित नहीं की जायेगी।
- 6— जिस प्रयोजन हेतु भूमि आवंटित की गई है उसकी पूर्ति के उपरान्त यदि भूमि अवशेष पड़ी रहती है, तो मूल विभाग को उसे वापस लेने का अधिकार होगा।
- 7— जब कभी मूल विभाग को प्रश्नगत भूमि की आवश्यकता होगी तो भूमि मूल विभाग को वापस करनी होगी।
- 8— प्रश्नगत भूमि पर खड़े वृक्षों के पातन हेतु नियत प्राधिकारी, वन विभाग से अनापत्ति प्राप्त करनी होगी।
- 2— कृपया तदनुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(एन०एस०नपलच्चाल)

प्रमुख सचिव।

संख्या एवं तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

- 1— मुख्य राजस्व आयुक्त, उत्तरांचल, देहरादून।
 2— जिलाधिकारी, देहरादून।
 3— आयुक्त, गढ़वाल गण्डल, पौड़ी।
 4— एन०आई०सी० उत्तरांचल, देहरादून।
 5— गार्ड पार्सेल।

आशारो,

(सोहन लाल)

अपर सचिव।